भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान,
खण्डवा रोड, इंदौर-452001

फाइल क्रमांक: प्रेस एवं पब्लिसिटी/प्रेस नोट/ 2021/6 **दिनांक : 22.03.2021**

आईसीएआर-आईआईएसआर एवं कृषि विज्ञान केंद्र, इंदौर द्वारा विश्व जल दिवस **का आयोजन**
(स्थान: ग्राम तिल्लोर खुर्द, जिला-इंदौर दिनांक: 22 मार्च 2021)

भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, इंदौर एवं कृषि विज्ञान केंद्र, कस्तूरबाग्राम, इंदौर द्वारा आज दिनांक २२ मार्च, 2021 को इंदौर जिले के ग्राम तिल्लोर खुर्द में विश्व जल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर भारतीय सोयाबीन अनुसंधान इंदौर की निदेशक डॉ. नीता खांडेकर ने कृषको को संबोधित करते हुए कहा की वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए सभी ने वर्षा जल के संग्रहण एवं संरक्षण हेतु सामूहिक प्रयास करने चाहिए तथा फसलों के उत्पादन में भी नमी संरक्षण के लिए उपलब्ध सभी तकनीकियों का प्रयोग करना चाहिए. इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहाँ कि सोयाबीन उत्पादन की तकनीकी के प्रचार-प्रसार हेतु कार्यक्रमों के आयोजन में जल संरक्षण तकनीकी को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण भी दिया जा सकता है।

इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. आलोक देशवाल ने सिंचाई जल की समस्या भूमिगत जल में होती जा रही कमी के बारे में किसान भाइयों को जागरूक किया। साथ ही कस्तुर्बग्राम कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यान विद्या विभाग के वैज्ञानिक डॉ. डी.के. मिश्रा ने उद्यानिकी फसलों में टपक सिंचाई व फव्वारा सिंचाई पद्धति के बारे में विस्तार से चर्चा की।

इस अवसर पर भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, इंदौर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस.डी. बिल्लौरे ने किसानों को पानी के संरक्षण के लिए सोयाबीन में उपलब्ध तकनीकों एवं बदलते जलवायु परिदृश्य के तहत उगाई जाने वाली किस्मों के संबंध में जानकारी दी। इस चर्चा सत्र के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के श्री अरुण कुमार शुक्ला एवं श्री नितिन पचलानिया ने भी जल संरक्षण पर किसान भाइयों से चर्चा की।

विश्व जल दिवस के असवर पर ग्राम तिल्लोर खुर्द में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में कृषि विभाग इंदौर के किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग इन्दौर के वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी श्री इजारदार ने शासन द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की. कोरोना संक्रमण की पृष्ठभूमि को देखते हुए इस संक्षिप्त आयोजन में कुल 41 कृषकों तथा भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान एवं कृषि विज्ञान केंद्र इन्टरे के कुल 7 वैज्ञानिक/अधिकारीयों ने ने भाग लिया.

....